डॉ. विजय चावला की टीम ने बाल शैक्षिक ई-सामग्री प्रतियोगिता में जीते 3 अवॉर्ड

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् नई दिल्ली द्वारा वर्ष 2022-23 हेतु अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित अखिल भारतीय बाल शैक्षिक ई-सामग्री प्रतियोगिता में हरियाणा के कैथल ज़िले के ग्योंग के आरोही आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के हिन्दी प्राध्यापक डॉ. विजय चावला व उनकी टीम ने बाल शैक्षिक ई-सामग्री तैयार करने में उल्लेखनीय योगदान देने के लिये 3 अवॉर्ड जीते हैं।

प्रमुख बिंदु

- हरियाणा के स्कूल शिक्षा मंत्री कँवरपाल ने बताया कि डॉ. विजय चावला व उनकी टीम ने लगातार तीसरी बार अखिल भारतीय बाल शैक्षिक ई-सामग्री प्रतियोगिताओं में विजय प्राप्त कर हरियाणा का नाम रोशन किया है।
- अखिल भारतीय बाल शैक्षिक ई-सामग्री प्रतियोगिता में पूरे भारत से 657 प्रविष्टियाँ आई थीं, जिनमें से कुल 77 प्रविष्टियाँ ही अवार्ड के लिये चयनित हो पाईं।
- हरियाणा शिक्षा विभाग से राष्ट्रीय नवाचारी अवार्डी शिक्षक डॉ. विजय चावला ने आरोही आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय से चार प्रविष्टियाँ भेजी थीं। इन चार में से उनकी तीन प्रविष्टियों को अखिल भारतीय स्तर के अवार्ड के लिये चुना गया है।
- इस प्रतियोगिता में डॉ. चावला द्वारा तैयार 'निपुण भारत मिशन' के अंतरगत बुनियादी साक्षरता के सीखने के प्रतिफलों को इंटरैक्टिव तथा इंफोग्राफिक तकनीक से विकसित करने वाले कार्यक्रम को अवार्ड मिला है।
- इसके अतिरिक्त, दूसरा अवार्ड उनके द्वारा तैयार डिजिटल खेलों के माध्यम से हिन्दी व्याकरण की दक्षताओं के आकलन कार्यक्रम में विद्यार्थी हिमांशु के खेलों को बेस्ट प्रोग्राम का अवार्ड मिला है।
- तीसरा अवार्ड निपुण भारत मिशन के तहत बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के लक्ष्यों को हासिल करने के लिये तैयार कहानी 'समझदार चिड़िया'कार्यक्रम में छात्रा रितिका को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार कठपुतलियों का सफल प्रयोग करने हेतु बेस्ट एंकर का अवार्ड मिला है।
- विदित है कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 को राज्य में 2025 तक क्रियान्वित करने का लक्ष्य तय किया है, जबकि केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2030 तक लागू किया जाएगा।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dr-vijay-chawla-s-team-won-3-awards-in-children-s-educational-e-content-competition